प्रेस नोट

दिनांक 25/09/2020 को हरियाणा तालाब प्राधिकरण की हरियाणा सरकार द्वारा नवगठित टैक्निकल कमेटी की पहली मीटिंग श्री प्रभाकर कुमार वर्मा, कार्यकारी उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में सिचाई भवन के Conference हॉल में हुई, जिसमें Technical Committee के निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे :–

1. Sh. C.R. Babu, Ex Pro VC, Delhi University, **(Video Conferencing द्वारा मीटिंग में भाग लिया)**।
2. Dr. Pushpa Dahiya Professor and Head Department of Botany, MDU, Rohtak, **(Video Conferencing द्वारा मीटिंग में भाग लिया)**।
3. Sh. Sunil Saigal, Retd. Sr. Hydrologist, CGWB, Panchkula
4. Sh. Mehar Chand, Principal Scientist, CCSAU, Kurukshetra
5. R.K. Sapra Retd. IFS, Retd. MD cum PCCF, Haryana Forest Department, Panchkula
6. Dr. Surinder Singh, Assistant Director Horticulture, CCSHAU, Hisar
7. Dr. Narender Thakral, Animal Husbandry & Dairying, Panchkula
8. Sh. Rajendar Kumar Sangwan, Retd. Director Fisheries, Gurugram
9. Sh. H.P. Sharma, Technical Advisor, HPWWMA, Panchkula
10. Sh. Sujana Ram, Member Secretary HPWWMA, Panchkula

विशेष आमंत्रित अधिकारी –

1. Sh. Shankar Jindal, Chief Engineer, PR-PW, Chandigarh.

मीटिंग में **कोविड़ – 19** को ध्यान में रखते हुए **सोशल डिस्टैंसिग**, **Masking** एवं **Sanitization** का **पूरी तरह पालन किया गया**।

सर्वप्रथम प्राधिकरण सदस्य सचिव, श्री सुजाना राम, द्वारा इस कमेटी के चेयरमेन सहित सभी सदस्यों का इस टैक्निकल कमेटी की प्रथम मीटिंग में भाग लेने के लिए स्वागत किया गया।

श्री प्रभाकर कुमार वर्मा कार्यकारी उपाध्यक्ष, हरियाणा तालाब एवं अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण, ने अपने उद्घाटन भाषण में इस बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों को श्री मनोहर लाल खट्टर, मा0 मुख्यमंत्री, हरियाणा सरकार की दूरदर्शिता के कारण हरियाणा तालाब प्राधिकरण के गठन, तत्पश्चात् प्राधिकरण का तकनीकी सलाह हेतु, टैक्निकल कमेटी के गठन की आवश्यकता की पृष्ठभूमि एवं उदेश्यों को बताया ।

तत्पश्चात् प्राधिकरण के द्वारा तैयार Technical Presentation के द्वारा मा0 मुख्यमंत्री, हरियाणा सरकार, जो कि प्राधिकरण के Chairperson भी हैं, के मार्गदर्शन में तालाब प्राधिकरण की उपलब्धियों व कार्यशैली के बारे में विस्तार से बताया तथा प्राधिकरण के द्वारा तैयार किये गए PDMS पर प्रदेश के सभी 0.5 Acre एवं बडे कुल 17031 (शहरी + ग्रामीण) तालाबों को उनके पूरे विवरण और Unique ID एवं उनके विभिन्न वर्गीकरण को भी कमेटी के सामने रखा।

उन्होने यह भी बताया कि वर्तमान में निर्माणाधीन 18 Model Ponds में, घरों से जो अपशिष्ट पानी तालाबों में आ रहे हैं उसे Constructed Wetland Technology द्वारा कैसे उपचारित करने के बाद ही तालाबों में डाला जा रहा है।

उन्होने यह भी बताया कि वर्ष 2020–21 में प्रस्तावित 200 तालाबों के डिजिटल ड्राईंगस बनाए जा रहे हैं, जिनके आधार पर Restoration के कार्य जल्दी ही प्रारंभ किए जाएगें।

प्राधिकरण ने सदस्यों को यह भी बताया की सरकार के हाल ही में दिए गए आदेश के अनुसार 0.5 एकड़ के नीचे के सभी तालाबों तथा NGT के निर्देशानुसार, तालाबो की सीमा में डाले जा रहे घरों का कूड़ा –करकट एवं पशुओं के गोबर का डाटा भी PDMS के द्वारा संग्रह करना शुरू कर दिया गया है।

प्राधिकरण ने समिति के समक्ष, उनकी सलाह हेतु कुछ बिन्दु तथा Waste Water Treatment हेतु पाँच अलग – अलग Agencies के Presentations भी रखें। जिस पर समिति के सभी सदस्यों ने महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए।

इस बैठक में सभी सदस्यों ने विशेषकर Sh. C.R. Babu, जो कि CPCB द्वारा गठित Expert Committee के सदस्य भी हैं, ने तालाब प्राधिकरण द्वारा अपनाई जा रही तकनीक एवं Restoration of Ponds & Waste Water Management की दिशा में अब तक के किए गए कार्यों की सराहना की व अपने कीमती सुझाव भी दिए।

Sh. C.R. Babu, Ex Pro Vice Chancellor, Delhi University ने बताया कि Constructed Wetland Technology द्वारा जो कि दिल्ली के नीला होज़ (होज़ खास) झील में गन्दे नाले के पानी को उपचारित किया जा रहा है व उसके परिणाम बहुत अच्छे हैं। यह Technology बहुत ही सस्ती है तथा इस पर कोई भी बिजली का या अन्य कोई भी लगातार खास खर्चा नहीं होता।

बैठक के अंत में इस प्राधिकरण के तकनीकी सलाहकार, Sh. H.P. Sharma द्वारा टैक्निकल कमेटी के सभी सदस्यों का धन्यवाद किया गया।